सलीक़ा

(कहानी)

3

एक किसान था। उसके खेत में अनाज नहीं हुआ था। राजा को कर देने के लिए उसके पास पैसा नहीं था। उसने सोचा कि राजा से मिलकर प्रार्थना करनी चाहिए ताकि वे कर माफ़ कर दें। वह राजा से मिलने गया। राजा ने पूछा, "क्या चाहते हो? मेरे पास किसलिए आए हो?"

बहुत ही विनम्रतापूर्वक किसान बोला, "महाराज, मैं विधवा हो गया हूँ।" राजा ज़ोर से हँस पड़ा। पूछा, "तुम विधवा हो गए हो? इसका क्या मतलब?"

किसान ने कहा, "आपके पिता मर जाएँ तो आपकी माँ विधवा हो जाएगी न, उसी तरह।" यह उत्तर सुनकर राजा को क्रोध आ गया। उसने किसान को कारागार में डलवा दिया। उसका अपराध था—अशुभ वचन कहना।

किसान के घरवालों को यह बात मालूम हुई। किसान का बड़ा भाई बोला, "छोटा भाई मूर्ख है। राजा से ऐसे नहीं कहना चाहिए था। उसे बात कहने का सलीक़ा नहीं आता। मैं उसे छुड़वा लाता हूँ।"

बड़ा भाई राजा के पास गया। राजा ने पूछा, "क्या चाहते हो? मेरे पास किसलिए आए हो?" किसान का बड़ा भाई बोला, "महाराज! मेरे छोटे भाई को आपने कारागार में बंद करवा रखा है। वह तो मूर्ख

है। उसे बोलने का सलीक़ा नहीं मालूम है। ऐसे मूर्ख को क्षमा कर देना चाहिए, क्योंकि मूर्ख को सज़ा देने वाला भी मूर्ख समझा जाता है।"

राजा को इस भाई की बात पर ग़ुस्सा आ गया। इसने मुझे मूर्ख कहा! उसे भी कारागार में बंद करवा दिया। उसका अपराध था कि उसने राजा को मूर्ख कहा था।

बड़े भाई का पुत्र बोला, "मेरे पिता जी और चाचा जी को बोलना नहीं आया। राजा से ऐसा नहीं कहना चाहिए था। मैं जाकर दोनों को छुड़वा लाता हूँ।" और उस किसान के भाई का पुत्र राजा के पास गया। राजा ने पूछा, "क्यों आए हो?" बेटे ने बड़ी विनम्रतापूर्वक राजा से कहा, "महाराज! मेरे चाचा जी और पिता जी आपके कारागार में बंद हैं। उन्हें बात करने का सलीक़ा नहीं आता। जैसा आदमी हो, वैसी बात करनी चाहिए। क्योंकि राजा, बाजा और बंदर चढ़ाने से चढ़ते हैं, यह बात वे भूल गए।"

इस बार फिर राजा को ग़ुस्सा आ गया। इस लड़के ने राजा की तुलना बंदर से कर दी। लड़के को भी कारागार में बंद कर देने की आज्ञा राजा ने सिपाहियों को दी। अब सारा गाँव जमा हुआ। मुखिया ने कहा, "उन मूर्खों को राजा ने कारागार में बंद करवा दिया है। अब हम राजा से प्रार्थना करें कि उन मूर्खों को छोड़ दें।" गाँव के लोग तैयार हुए। गाँव में एक साधु-महात्मा रहते थे। वह समझ गए कि गाँव के सारे लोग वही मूर्खता करेंगे और उन सबको राजा कारागार में बंद करवा देंगे। साधु-महात्मा ने गाँव वालों को समझाया कि आप राजा के पास न जाएँ। मैं राजा को समझाकर सबको छुड़वा लाता हूँ। कहीं ऐसा न हो कि आप सभी लोग कारागार में बंद हो जाएँ। और साधु-महात्मा राजा के पास गए। राजा ने पूछा, "कैसे पधारे महाराज?" साधु ने कहा, "महाराज! हमारे गाँव के तीन किसान आपके कारागार में बंद हैं। ऐसी मूर्खता करने वालों को मौत की सज़ा दी गई होती तो भी कम समझी जाती। लेकिन राजा प्रजा का पालक माना जाता है। प्रजा बालक के समान होती है। बालक बहुत बार मूर्खता करता है तब बड़े उन्हें प्रेम से समझाते हैं। एकाध थप्पड़ मार दें, लेकिन घर से निकाल नहीं देते। उन तीनों को अपनी भूल का थप्पड़ लग गया है। आप बड़े हैं। वे तीनों मूर्ख बालक के समान हैं। तीनों को आप छोड़ दें। यही आपसे मेरी विनम्र प्रार्थना है।"

राजा को बात उचित लगी और उसने तीनों को छोड़ देने की आज्ञा दे दी। साधु-महात्मा का सत्कार किया और भेंट देकर विदा किया।

सच है, बात करने का भी एक सलीक़ा होता है।

शब्द-अर्थ

कर — मालगुज़ारी, टैक्स *(tax)*,
कारागार — क़ैदख़ाना *(jail)*,
क्षमा — माफ़ी *(apology)*,
भेंट — उपहार *(gift)*।
क्रोध — ग़ुस्सा *(angry)*,
सलीक़ा — तरीक़ा *(manner)*,
सत्कार — स्वागत, सम्मान *(welcome)*,

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

विनम्रतापूर्वक	अशुभ	कारागार	सलीक़ा
मूर्खता	महात्मा	प्रार्थना	सत्कार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) किसान राजा के पास क्यों गया?

(ख) राजा किसान की किस बात पर हँस पड़ा?

(ग) किसान का क्या अपराध था?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) खेत में नहीं हुआ–

- ☐ खाद
- ☐ अनाज
- ☐ झगड़ा
- ☐ विवाह

(ख) राजा को किसकी बात उचित लगी–

- ☐ मुखिया की
- ☐ किसान की
- ☐ किसान के बड़े भाई की
- ☐ साधु महात्मा की

(ग) राजा प्रजा का होता है–

- ☐ शत्रु
- ☐ भगवान्
- ☐ दानव
- ☐ पालक

2. किसने कहा, किससे कहा–

	किसने कहा		किससे कहा	
(क) "मैं विधवा हो गया हूँ।"	.....	ने	.....	से
(ख) "मेरे चाचा जी और पिता जी आपके कारागार में बंद हैं।"	.....	ने	.....	से
(ग) "उन मूर्खों को राजा ने कारागार में बंद करवा दिया है।"	.....	ने	.....	से
(घ) "कैसे पधारे महाराज?"	.....	ने	.....	से

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) राजा ने किसान को कारागार में क्यों डलवा दिया?

(ख) किसान को छुड़ाने कौन-कौन गया?

(ग) महात्मा जी क्या समझ गए?

(घ) राजा ने महात्मा जी के साथ कैसा व्यवहार किया?

भाषा-ज्ञान

1. समझो और लिखो–

चाचा	.....	पिता	.....
बंदर	.....	आदमी	.....
राजा	.....	बालक	.....

2. उल्टे अर्थ वाले शब्दों के जोड़े बनाओ–

राजा	होशियार	प्रेम	दूर
मूर्ख	शुभ	गाँव	झूठ
अशुभ	बड़ा	पास	घृणा
छोटा	रंक	सच	शहर

एक-दूसरे का उल्टा या विपरीत अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

3. वर्ण अलग-अलग करो–

बाजा	.....	+	.....			
बालक	.....	+	.....	+	.....	
किसान	.....	+	.....	+	.....	
अनाज	.....	+	.....	+	.....	
भाई	.....	+	.....			
साधु	.....	+	.....			

क्रियात्मक गतिविधि

- खरगोश की बुद्धिमान की कोई दूसरी कहानी कक्षा में सुनाइए।
- क्या पशु-पक्षी एक-दूसरे की भाषा समझ सकते हैं? कक्षा में चर्चा कीजिए।